(ii) G.S.R. 342(E) published in Gazette of India dated the 29th June, 1978 together with an explanatory memorandum regarding exemption from payment of foreign travel tax to such Members of Parliament Minister of State Government, Leader of Political Party and eminent member of general public as included in an official delegation of the Central Government going abroad in connection with the affairs of the Union. [*Placed in Library. See* No. LT-2450/78].

(4) A copy of the Report (Hindi and English versions) of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1977—Union Government (Commercial)—Part II—Miscellaneous Topics of interest under article 151(1) of the Constitution. [*Placed in Library. See* No. LT-2451/78].

STATEMENT RE. PARTICULARS OF BIDDERS IN GOLD AUCTION

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): I beg to lay on the Table a statement containing the particulars of the bidders who purchased the largest quantity of gold in each of the six auctions so far held and also the particulars of the two licensed dealers who purchased the largest quantity of gold in all the six auctions taken together. [Placed in Library. See No. LT-2451-A/78].

MR. SPEAKER: We shall now take up the Calling Attention....

SHRI ANANT DAVE (Kutch)..**

MR. SPEAKER: I have not called you; you cannot take possession of the House straightway.

Do not record.

12.45 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

REPORTED CHINESE BALOONS FOUND WITH TRANSMITTERS AND PROPAGANDA MATERIAL IN VARIOUS PARTS OF THE COUNTRY

SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK (Sonepat): I call the attention of the Minister of Home Affairs to the following matter of urgent public importance and request that he may make a statement thereon:

"The reported Chinese balloons with transmitters and propaganda material found in different parts of the country."

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): Sir, the Government have enquired into the cases of discovery of balloons in different parts of the country. From time to time, balloons carrying propaganda material in Chinese have been found in some parts of India. According to information available so far, these balloons did not have transmitters and were not intended for India but have drifted from their course, perhaps due to cross-currents of winds. Nor is there any definite clue to where they come from.

श्री मुख्तियार सिंह मलिक : स्पीकर साहब, यह बेलून जो हिन्दुस्तान के अन्दर दूसरे कंट्रीज से आते हैं, इनकी बाबत समाचार-पत्रों में निरन्तर खबरें निकलती रहती हैं। सिर्फ यही नहीं कहा जाता है कि बेलून के अन्दर थोड़ा बहुत प्रोपेगैंडा मैटीरियल है, बल्कि यह कहते हैं कि उसमें ट्रांस्मीटर्स और ट्रांजिस्टर्स भी रहते हैं और दूसरे किस्म के इलैक्ट्रानिक यंत्र भी निकलते रहते हैं। मेरी समझ में यह बात नहीं आई कि मिनिस्टर साहब ने इस बारे में एक सिम्पल सा स्टेटमेंट कैसे दे दिया? अगर इनके इस बयान के मुताबिक यह हालत सही है तो हिन्दुस्तान के

**Not recorded.

[श्री मुख्तियार सिंह मलिक]

अखबारों में बारबार इस प्रकार की सनसनीखेज खबरें क्यों निकलती रहती हैं ? सरकार ने आज तक इस किस्म के इकदाम क्यों नहीं उठाये ? जिनसे समाचार-पत्रों से बातचीत करके इन खबरों को दबाया जाये या उनसे कहा जाता कि इस किस्म की खबरें अखबारों में न दी जायें ?

चाइना की तरफ से जो बैलून हमारे मुल्क में आये हैं, उनमें चाइनीज लीडर्स के फोटो तक निकले हैं, प्रोपेगैंडा सामग्री निकली है, जो कि देश के लिये एक चिन्ताजनक मामला हो जाता है । इसमें एकमात्र प्रश्न यह उठता है कि इस किस्म की चीजें यहां नहीं आनी चाहियें । मेरी समझ में यह नहीं आया, इन्होंने जो कहा है कि यह आते हैं, यह सारी चीजें जो होती हैं

"....drifted from their course, perhaps due to cross-currents of winds. Nor is there any definite clue to where they come from."

स्पीकर साहब, अगर हिन्दुस्तान में कहीं से हाइड्रोजन बम गिर जाये, तो भी हमारे मिनिस्टर साहब यही कह देंगे कि पता नहीं कहां से आ गया, या और भी किसी किस्म की घटनाएं हो जायें तो हमारे मिनिस्टर साहब हाउस में कह देंगे कि पता नहीं कहां से यह हो गया और कैसे हो गया । उनका इस तरह से कहना और भी ज्यादा मोस्ट अन्फारचुनेट है कि वह यह कहें कि कहां से आ गया ?

मिनिस्टर साहब ने यह कहा है कि लिटरेचर चाइनीज लैंगुएज में है, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या हमारे मुल्क में कोई चाइनीज लैंगुएज पढ़ने वाला नहीं है ? क्या उन्हें हाउस में यह नहीं बताना चाहिये कि उसमें जो लिटरेचर है वह कौनसे कंट्री से आया है और कौनसे कंट्रीज के लिये भेजा जाता है. मैं उनसे जानना चाहता हूं कि चाइनीज लैंगुएज के जो इश्तहार उस बैलून में निकलते हैं उनका मफहूम क्या है ? उन्हें इसकी बाबत हाउस में बताना चाहिये कि इस किस्म का लिटरेचर कहां से आता है और कहां के लिये भेजा जाता है और वहां से ड्रिफ्ट कर के हमारे यहां क्यों आता है ?

3, 4 महीने पहले यह आसाम में भी आया, फिर 3 महीने पहले मध्यप्रदेश के इन्दौर के पास ऐसा हुआ जिसमें 3 ट्रांजिस्टर भी निकले थे, इसके बाद एक ट्रांस्मीटर उसमें से निकला था । उसके बाद उड़ीसा में अब यह हुआ, वैस्ट बंगाल के मिदनापुर जिले में इस किस्म की घटनाएं होती रही हैं और यह बैलून्स आते रहे हैं.

मैं मिनिस्टर महोदय से बड़े अदब के साथ यह पूछना चाहता हूं कि आया उन्होंने इस मामले की पूरी तहकीकात की है या नहीं, इस किस्म के जो बैलून वगैरह इस मुल्क में आते हैं, क्या उनको रोकने के लिए कोई कदम उठाये हैं या नहीं, और आइन्दा इन खबरों को दबाने के लिए वह क्या कदम उठाना चाहते हैं । ये बातें देश में एक चिन्ता का वातावरण पैदा करती हैं । एक तरफ तो हम चीन के साथ अपने ताल्लुकात को बेहतर बना रहे हैं, उसके साथ प्यार की पींगें बढ़ाने के लिए आगे जा रहे हैं, और दूसरी तरफ, इस किस्म की खबरें आयें, तो हिन्दुस्तान की जनता के लिए बड़ी चिन्ता की बात हो जाती है । ऐसे गंभीर मामले पर गवर्नमेंट को इतने साधारण ढंग से बात नहीं करनी चाहिए । वह समाचारपत्रों से भी बातचीत करें ।

मुझे सबसे ज्यादा चिन्ता इस बात की है कि मिनिस्टर साहब यह कहें कि हमें पता नहीं है कि ये बैलून्ज वगैरह कहां से आते हैं । अभी आनरेबल मेम्बर ने टेबल पर कुछ फोटो रखे हैं । बैलून से जो मैटीरियल मिला है, क्या उसको कहीं से पढ़वाया नहीं जा सकता था ? क्या गवर्नमेंट ने इस किस्म के मैटीरियल को अपने कब्जे में ले लिया है या नहीं, उसका अध्ययन करवाया है या नहीं, उसको किसी से

पकड़वाया है या नहीं कि उसमें क्या लिखा है ? मिनिस्टर साहब तफसील से और अच्छी तरह से सदन को बतायें—और टेबल पर रखने की कोशिश करें—कि उस मैटीरियल में जो कुछ लिखा है, उसका हफहूम क्या है और वह यहां किस तरह से आया है ।

श्री धनिक लाल मंडल : मध्य प्रदेश में जो बैलून आया, जिसका माननीय सदस्य ने जिक्र किया है, उसमें जो सामान पाया गया, उसमें एक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल डिवाइस था, जो बैलून के कोर्स को गाइड करता है । उसमें प्रोपेगैंडा लिटरेचर पाया गया, जो चाइनीज में है । उसमें ट्रांसिस्टर नहीं पाया गया, जैसा कि माननीय सदस्य ने कहा है । (व्यवधान) यह प्रिजयूम किया जाता है कि वह के० एम० टी० का प्रोपेगैंडा मैटीरियल है । इसमें कोई चिन्ता की बात नहीं है । इसमें कोई सनसनीखेज बात नहीं है । इसमें जो मैटीरियल है, उससे साफ है कि हिन्दुस्तान और हिन्दुस्तान की जनता से उसका कोई सम्बन्ध नहीं है, और वह उसकी कनजम्पशन के लिए नहीं है ।

माननीय सदस्य ने कहा कि अखबारों में बराबर इस तरह की खबरें आती रहती हैं, और जब हम चीन से अपने सम्बन्ध सुधारना चाहते हैं, तो उन्हें रोकना चाहिए । हमको जो जानकारी है, उसके आधार पर मैं कह रहा हूं कि चाइनीज भाषा में यह जो साहित्य आता है, वह कूमिन्टांग से आता है । उसमें कोई दूसरी बात नहीं है । जहां तक इस बात का ताल्लुक है कि ये बैलून क्यों आते हैं, विंड के क्रास-करेंट से या उस इलेक्ट्रो-मैकेनिकल डिवाइस के फेल्यूर से वे यहां चले जाते हैं ।

श्री लालजी भाई (सलूम्बर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके मार्फत मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि ये जो पत्र फेंके गए हैं वह भारत में किन किन स्थानों पर पाये गए और उन पत्रों में भारत की सेना के विरुद्ध कुछ लिखा गया है क्या ? यदि हां, तो वह पत्र किस भाषा में है और उसमें विवरण क्या है ?

MR. SPEAKER: In all, three questions have been put by him. He asked: Was there anything against India? Was there anything against the Army of India? In which language were they?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): These pamphlets are against China, that is, for inciting a revolt in China. Therefore, it can be presumed that it must have been sent by some people in Taiwan. No doubt there is nothing about India in it at all. Even the picture which was put for children there only lauds the work done in Taiwan,—they are all meant for Chinese consumption. Therefore, there is no question of suspecting China for anything in this matter. Those baloons have strayed away from China over here on account of currents of wind. We cannot stop them. But that does not do us any harm.

श्री लालजी भाई : मेरा पूरा उत्तर नहीं आया है ।

अध्यक्ष महोदय : पूरा उत्तर दे दिया । He has said it in categorical language. He has answered all your questions. He has said, it is not against India. He has answered all your questions. Please sit down.

Now, Mr. Janardhana Poojary.

SHRI JANARDHANA POOJARY (Mangalore): Sir, a foreign helicopter dropped a large quantity of tinned meat, sarees, sweets, and propaganda literature printed in Chinese and Burmese on Sunday at Samudrapur village in Midnapur District. The Helicopter. then flew away towards the sea.

Not only this. I will bring out some more instances. I say this because the statement given by the hon. Minister is not at all convincing. With

all due respect to him, I can say, it is misleading.

I also submit another instance:

A baloon descended on 17th July at Rajnagar village in Cuttack district, this year, unleading a packetful of leaflets according to the police.

The police seized two foreign transmitters and two plastic baloons full of Chinese literature, towels and toffees at Bolo and Belpeda villages.

Another incident is this:

A report from Allahabad says that a Chinese baloon containing propaganda material and a battery-operated mini-machine were found near Mehangupur village about 50 k.m. from Allahabad.

These are the incidents which have taken place. There are about seven incidents throughout the country. Now we have to know where this China is situated. All of us know that it is situated on the North Eastern region of our country. You must also know that not only here, but in Maharashtra also, the baloons containing leaflets and also meat, sweets, toffees, etc. were dropped. It is a serious situation. The people of these areas are living in panic. Even the police officials are intrigued over the incidents. That is why I submit that we have, in this context, to examine so many other factors also.

There is one other matter which I wish to place before the Hon. Minister. There is the report of Mr. B. G. Verghese who recently toured China. The facts revealed by him go to show that this China is preparing for the third war.

MR. SPEAKER: Mr. Poojary, you are travelling outside the scope of the question.

SHRI JANARDHANA POOJARY: I am also for improving relations with China.

13 hrs.

MR. SPEAKER: You are travelling outside the Calling Attention.

SHRI JANARDHANA POOJARY: I will come to that. India should also improve relations with China—not only with China but also with the other neighbours. But, at the same time, India must be beware of the Chinese move so that we may not fall a prey to them as we fell pray in the past. What I am submitting is this. The opening of the Karakoram Highway shows how the Sino-Pakistan alliance.

MR. SPEAKER: We have arleady discussed that.

SHRI JANARDHANA POOJARY: This has always been a danger to India. The China-backed Naga and Mizo rebels are again raising their heads while Bangladesh, closely allied with China, is freely indulging in anti-India propaganda.

The basic fault with the Janata Government is this: That is for the normalisation of the ties with China. May I also say that in our enthusiasm or anxiety to improve relations, we have failed to observe that the present Chinese desire to improve relations with India is not in response to our previous moves towards this goal but the result of a calculated Chinese move to counter the Soviet Union? We should not also forget that the guiding slogan of the present Peking leadership it does not matter whether a cat is black or white as long as it catches mice'.

MR. SPEAKER: Let us not have the cats here. This is not a question.

SHRI JANARDHANA POOJARY: I am telling this because in any case there is nothing to show that China has stopped training and equipping Naga and Mizo insurgents or disowned Chairman Mao's notorious doctrine under which 'Tibet is China's palm and Ladakh, Nepal, Bhutan Sikkim and Nagaland are her fingers'. *(Interruptions)*.

If this is the doctrine of the late Mao (*Interruptions*) this is a serious situation. We cannot forget that. I am now submitting in this context—I recall what he said—what our Prime Minister has stated. Our Prime Minister as has been reported, in *New York Times, has* clearly stated that India is prepared to forgo 14,000 square miles of India....

SHRI MORARJI DESAI: I denied this and so did the *New York Times*.

MR. SPEAKER: He has denied that. Please come to the question.

SHRI JANARDHANA POOJARY: As you know the helicopter strayed into the territory of India.

MR. SPEAKER: You have mentioned that.

SHRI JANARDHANA POOJARY: Is this not a criminal trespass? Has it not crossed our territory? If Government is not in a position to say from where it comes and even if a helicopter enters into our territory, if they are not in a position to say so, is this not a failure of the Government? Is it not a failure of the foreign policy of the Government? May I also ask the hon. Minister as to what steps is Government taking to prevent such an aggression or intrusion into our territory? It is very clear that our Government is sleeping over the matter. We must be very vigilant. What steps is the Government going to take against such a trespass?

SHRI MORARJI DESAI: If the hon. Member is satisfied by the allegation against the Government, I wish him joy. I thought there were balloons which brought in some propaganda but I find here many thoughts have come in the balloons. I do not know how he can say that I said that the land will be given over to China. Yes, that was the report of the *New York Times*. I denied this.

MR. SPEAKER: It was published.

SHRI MORARJI DESAI: I denied that the very day. And yet my hon'ble friend repeats it here. That shows his veracity. Where were the helicopters seen from China! By whom? I would like to ask those people. This is all imagination. Nothing else. There are only balloons from which this propaganda was found which was against the Chinese people. Then again when he says we must be careful, we are very careful. If there is any aggression, the aggression will be met properly and fully. Let him be assured about it.

Then again about normalisation. He says we are very eager and, therefore, we are going into their hands. The normalisation process has been started by them and we are responding. We are very careful about all these matters. Let my hon'ble friend not be worried about this matter. That is all that I can assure him.

MR. SPEAKER: The House stands adjourned till 14.00 hours of the clock.

13.07 hrs.

The Lok Sabha adjourned for lunch till fourteen of the clock.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at five minutes past Fourteen of the clock.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE—*Contd.*

REPORTED CHINESE BALLONS FOUND WITH TRANSMITTERS AND PROPAGANDA MATERIAL IN VARIOUS PARTS OF THE COUNTRY—*contd.*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ram Vilas Paswan.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय प्रधान मंत्री जी और गृह राज्य मंत्री जी ने इस संबंध में स्थिति को स्पष्ट कर दिया है। लेकिन

[श्री राम विलास पासवान]

हमारी, जब हमारे साथी श्री अनंत दवे जी, जो कि कच्छ के हैं, से बातचीत हुई तो उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी कांस्टीच्यूएंसी में अपनी आंखों से एक हेलीकोप्टर देखा जो कि 20–25 गज ऊपर से उड़ कर गया और उसने वहां पर्चे वगैरह गिराये। मंत्री महोदय ने जो अभी जवाब दिया उससे दो-तीन प्रश्न खड़े हो गये हैं। एक तो यह कि कोई भी मुल्क किसी भी देश पर तब हमला करेगा जब कि वह सोया हो। इसलिए मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार इस संबंध में सतर्क है? हमारा जो चीन के साथ दोस्ती बढ़ाने का, शांति की खातिर अपनी जमीन के मामले को उस लेवल तक न ले जाने का जो प्रयास चल रहा है, इसमें क्या सरकार शांति स्थापना के साथ साथ अपने घर को भी इतना मजबूत बना रही है कि वह किसी भी संकट के समय, खतरे के समय, उसका मुकाबला करने को तैयार हो सके?

इसके साथ साथ मैं सरकार से यह भी जानना चाहता हूं कि बेलून वगैरह की अक्सर जो खबरें समाचार पत्रों में आया करती हैं और एक अखबार 'आज' वाराणसी की मेरे पास कटिंग भी है जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि एक बेलून आया था जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है, इस प्रकार की खबरों का क्या सरकार के द्वारा खंडन किया गया है या नहीं? मैं समझता हूं कि इस तरह की चीजों का सरकार के द्वारा अभी तक खंडन नहीं किया गया है। अतः मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि जो इस तरह के समाचार समय समय पर आते रहते हैं, जिनके बारे में सरकार की ओर से खंडन नहीं किया जाता, क्या उनके बारे में सरकार ने चीन के साथ या चीन के दूतावास के साथ कोई पत्र-व्यवहार किया है या नहीं?

श्री धनिक लाल मंडल : सरकार बराबर चौकस रहती है और सरकार किसी भी स्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार है। हम जो शान्ति की बात करते हैं तो शान्ति से अर्थ यह नहीं है कि हम चौकस नहीं है, शान्ति के साथ-साथ चौकसी बराबर रखी जाती है और सरकार किसी भी स्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयारी की स्थिति में है।

मैंने पहले स्पष्ट कर दिया है कि बिलासपुर में पुलिस को जो सामान मिला है उस में एक इलैक्ट्रो मैकेनिकल डिवाइस है। यह बैलून में था जो उसको गाइड करने के काम में आता है। दूसरा सामान जो मिला है वह लिट्रेचर है। जैसे मैंने पहले कहा है यह अनुमान है कि के० एम० टी० प्रापेगेंडा मैटीरियल उसमें है। उससे यह अनुमान लगाया जाता है कि उसका जो ओरिजन है वह ताइवान हो सकता है।

श्री कंवर लाल गुप्त (Sources सदर): प्रधान मंत्री के विश्वास दिलाने के बाद कि मित्रता चाहते हुए भी हम सतर्क रहेंगे देश को काफी राहत मिली है। लेकिन मंत्री महोदय ने उत्तर दिया है कि यह सिवाय बैलून के कुछ नहीं है और अनुमान यह लगाया जाता है कि यह ताइवान गवर्नमेंट का है। मेरे पास यह बंडल अखबारों का है और एक अखबार में नहीं, हिन्दुस्तान टाइम्ज, टाइम्स आफ इंडिया, स्टेट्समैन, पैट्रियाट आदि कोई अखबार नहीं है जिस में इसके बारे में खबरें न छपी हों। मध्य प्रदेश के अन्दर भी हुआ है यह किस्सा, आंध्र में भी, उड़ीसा में भी, उत्तर प्रदेश, वैस्ट बंगाल आदि प्रायः सभी प्रान्तों में यह बात हुई है। मैं पूछना चाहता हूं कि यह कालिंग अटेंशन आने के बाद आपने क्या राज्य सरकारों से पूछा है कि स्थिति क्या है और पूछा है तो किस किस राज्य सरकार से क्या क्या उत्तर आया है?

मैं 19 जुलाई, 1978 के पैट्रियाट की एक खबर पढ़ना चाहता हूं। उस में यह ग्राया है:

"A foreign helicopter dropped a large quantity of tinned meat, sarees, sweets and propaganda literature printed in Chinese and Burmese on Sunday at....

The Government officials in the area were very much intrigued over the incident. They expect the mystery to be unravelled when the propaganda literature could be read and understood. Similar incident have also been reported from the hill areas of Tripura State. There is a wider area—particularly in the hills, tinned meat—some open and some sealed, sweets, propaganda literature, large maps of China were dropped but by whom nobody could say."

मुझे याद है 1967 में चौथी लोक सभा में मैंने एक सवाल उठाया था कि काश्मीर में पाकिस्तान का हैलीकाप्टर ग्राया ग्रौर उसने लीफलैट्स डाले ग्रौर वह वापिस पाकिस्तान चला गया सरदार स्वर्ण सिंह तब विदेश मंत्री थे। उन्होंने कहा कि यह गलत है। मैंने उनको चैलेंज किया कि ग्राप को मालूम है लेकिन ग्राप जानबूझ कर कह रहे हैं कि गलत है। ग्राप इसको चैक कर लें। ग्रगले दिन उन्होंने यह कहा:

"Something like a helicopter did come; but it was not a helicopter." Am I to understand that you want to contradict this news in the same fashion?

ग्रब भी ग्रखबार में ग्राया है कि हैलिकाप्टर घुस कर ग्राया ग्रौर ग्रखबारों में यह खबर ग्राई है। यह एक बहुत गम्भीर मामला है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या ग्रापने इसकी पूरी इन्क्वायरी की है ग्रौर की है तो क्या जवाब ग्राया है या जैसा कि . ज्योति बसु साहब ने ग्रौरंगाबाद में कहा है

"Many leaflets printed in Chinese were found spread all over the fields at.... Besides leaflets, six packets containing biscuits, clothes, some pictures and plot maps were also found."

ग्रब ज्योति बसु साहब से पूछा गया कि यह कहां से ग्राता है लीफ्लैट वगैरह बाइना का? तो माननीय ज्योति बसु कहते हैं:

"Mr. Jyoti Basu felt amused towards the reported dropping of leaflets in Chinese language through balloons somewhere in Contai in Midnapore District."

Is your reaction also the same as the reaction of the West Bengal Chief Minister? Are you also amused?

ग्रौर यह ट्रांसमिटर की उपाध्यक्ष महोदय, मैं बताता हूं कि एक जगह की खबर नहीं है, परन्तु मेरे पास कई जगह की ग्रखबारों की खबर है। स्टेट्समैन 19 जुलाई का रायगढ़ के बारे में कहता है:

The police seized two foreign transmitters and two plastic balloons full of Chinese literature, towels and toffees——

टौफ़ी भी तो ग्रायी थीं। कहीं यह तो नहीं कि टाफी ग्रापने ले ली हों ग्रौर इसलिए ऐसा जवाब देते हों।

Within a month so far three transmitters and three balloons have been seized in Raigarh district.

इसी तरह से ग्रागे उन्होंने इलाहाबाद का भी कहा है। उसके ग्रतिरिक्त धार मध्य प्रदेश में

"A huge balloon containing photographs of Mao...."

ग्राप कह रहे हैं कि यह तायवान का है। ग्रगर ऐसा होता तो माग्रो का फोटो नहीं ग्राता। हो सकता है कि तायवान भी ऐसा करता हो, मैं नहीं कह सकता। लेकिन इसमें लिखा हुग्रा है:

"A huge balloon containing photographs of Mao Tse-tung and a

[श्री कंवर लाल गुप्त]

battery operated transmitter were found hanging from a tree in a village under Dhar police station in Dhar district today.... The 25 square feet balloon also contained Mao literature".

मंत्री जी से मेरा कहना है कि आपने राज्य सरकारों से इनक्वायरी की कि नहीं ? अगर की है तो किन स्टेट्स से की और उनका क्या उत्तर आया ?

दूसरा सवाल यह है कि हैलीकाप्टर की जो खबर आयी वह बहुत गम्भीर सवाल है। उस बारे में आपने क्या इनक्वायरी की और अगर नहीं की तो आप सदन को विश्वास दिलायेंगे कि इनक्वायरी कर के सदन को बतायेंगे।

अभी यह जो कहा गया कि ट्रांसमिटर आये हैं इसके बारे में आपने डिनाई किया है। तो मेरा निवेदन है कि आप इस बारे में पूरी इनक्वायरी करके सदन के सामने बाद में रखें या टेबिल पर रखें। यह बड़ा गम्भीर मामला है, देश की सेक्योरिटी का सवाल है। मुझे याद है कि पंडित नेहरू से जब सवाल किये गये थे तो उन्होंने कहा था कि सब चीज ठीक है, कोई गड़बड़ी नहीं है। लोगों ने कहा कि काफ़ी मूवमेंट हो रहा है। लेकिन उन्होंने कहा कि हमारे रिलेशन्स अच्छे हैं और सब ठीक है। तो जहां प्रधान मंत्री ने विश्वास दिलाया है उसे मैं स्वीकार करता हूं कि वह सतर्क हैं, लेकिन आपके पास ठीक खबर तो होनी चाहिये। तो मैं जानना चाहता हूं कि किन किन स्टेट्स से आपने पूछा ? या अपने आप यहीं बैठे जवाब बना लिया ? और जिनसे पूछा उनका क्या उत्तर आया। हैलीकोप्टर के बारे में, माओ की तस्वीर के बारे में क्या आप जांच करायेंगे और इस सदन को बतायेंगे ? सदन को विश्वास तो प्रधान मंत्री ने दिला दिया कि सतर्क हैं तथा आगे भी रहेंगे। वह तो होना ही चाहिये। लेकिन ऐसा न हो कि फिर वही मामला दोहराया जाय क्योंकि यह मामला बहुत [illegible]र है।

श्री धनिक लाल मंडल : महोदय, मैंने सिर्फ इतना कहा था कि ऐसा हमारा अनुमान है। हमने कोई निश्चित ढंग से बात नहीं कही है। मैंने अनुमान के रूप में कहा है कि जो साहित्य मिला है और जो प्रोपेगेंडा मैटीरियल मिला है उससे ऐसा अनुमान लगता है कि यह के० एम० टी० का मैटीरियल है और वहीं से ओरिजिनेट हुआ होगा। जब भी इस तरह की घटना घटती है और हमारा ध्यान आकृष्ट किया जाता है तो हम राज्य सरकार से पूरी रिपोर्ट मंगाते है। और जैसा मैंने पहले कहा....

मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र से रिपोर्ट मंगाई गई है और अभी बंगाल और उड़ीसा से भी रिपोर्ट मंगाई गई है।

AN HON. MEMBER: What about Gujarat?

AN HON. MEMBER: What about Uttar Pradesh?

उपाध्यक्ष महोदय : जहां जहां बैलून गिरा, वहां से मंगाया गया है। (व्यवधान)

SHRI KANWAR LAL GUPTA: It concerns practically all the States. My question is whether you have contacted every State and when did you contact. After this notice or only 6 months back? Please tell us.

श्री धनिक लाल मंडल : यह तो जून-जुलाई की ही घटना है, इसलिये 6 महीने पहले की बात कहां आती है ?

श्री कंवर लाल गुप्त : मेरे पास 1975 का मामला भी है, वह बता देता हूं।

श्री धनिक लाल मण्डल : पहले की बात नहीं, यह जो कालिंग अटैंशन है, इसके सम्बन्ध में इन चार राज्यों की सरकारों से रिपोर्ट मंगायी गई है और जैसा कि मैंने कहा इसके आधार पर ही हम कह रहे है कि ऐसी कोई बात नहीं है, ट्रांस्मीटर नहीं है। उसमें

इलेक्ट्रोमैकेनिकल डिवाइस मिला, और ग्रोरिंडा सिटरेकर मिला, संभव है जैसा माननीय सदस्य कहते हैं, माडो या टाफी हों या ऐसी चीजें हों, उसका मैं इन्कार नहीं करता, लेकिन और दूसरी चीजें ट्रांसमीटर वगैरह की बात कहीं भी ध्यान में नहीं आई है।

जो 19 जुलाई के पैट्रियाट का हवाला देकर माननीय सदस्य प्रश्न करते हैं कि हैलीकोप्टर देखा गया है, यह बिल्कुल काल्पनिक बातें है, इसमें कोई सचाई नहीं है।

श्री कंवर लाल गुप्त : क्या आपने इन्क्वायरी की है ?

(*Interruptions*) This is a very important matter. My question was: Has he made any inquiry? Let him say whether he has made any inquiry. तब तो काल्पनिक कह सकते हैं, क्या बगैर इन्क्वायरी के कह रहे हैं ? उपाध्यक्ष महोदय, यह देश के लिये बहुत गंभीर मामला है और यह कोई आसान बात नहीं है, एक रिपोर्ट अखबार में आई है, आपने उसकी इन्क्वायरी करने के बाद कहा है तो ठीक है, और बगैर इन्क्वायरी के कहा है तो यह बता दीजिये।

मैं जानना चाहता हूं कि यह रिपोर्ट जो पैट्रियाट में आई है, क्या आपने इसकी इन्क्वायरी कराई है या नहीं ?

MR. DEPUTY SPEAKER: You just answer whether there has been an inquiry.

श्री धनिक लाल मंडल : यह जो पैट्रीयाट के बारे में बात कहते हैं, 19 जुलाई के बारे में जो हैलीकोप्टर की बात कहते हैं, तो यह कालिंग अटेंशन तो बैलून के सम्बन्ध में था, हैलीकोप्टर से संबंधित नहीं था। **(व्यवधान)**

श्री कंवर लाल गुप्त : बैलून के बारे में कहा, हैलीकोप्टर के बारे में नहीं कहा।

(*Interruptions*) This is much more serious. He said a helicopter is invited to cross this country. My point of order is: Can a helicopter come into this country, but balloon cannot? This is much more serious. The Minister should know it. If any foreign helicopter comes into India, you must know that this is a serious matter.

SHRI DHANIK LAL MANDAL: There is no truth in it.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: You have not made any inquiry.

श्री बी० पी० मण्डल : (मधेपुरा) : उपाध्यक्ष महोदय, इनका क्लियर क्वैश्चन है कि उन्होंने इन्क्वायरी कराई है या नहीं ? हम जानना चाहते है, हम लोगों का समय ले लिया जाता है, हमें कैटेगोरीकल जवाब मिलना चाहिये कि स्टेट गवर्नमेंट्स से इन्क्वायरी कराई है या नहीं ?

श्री कंवर लाल गुप्त इस रिपोर्ट के बारे में बताइये।

श्री धनिक लाल मंडल : बैलून के सम्बन्ध में जो घटनाएं है, उनके सम्बन्ध में मैंने बताया कि गढ़वाल, रायगढ़, नांदेड़, बिलासपुर, मिदनापुर, सिंहभूम और कटक, जो माननीय सदस्य ने कहा है, इन सभी के बारे में रिपोर्ट मंगाई गई है और उसके आधार पर मैं कह रहा हूं।

MR. DEPUTY-SPEAKER: It is very clear now that the Calling Attention Notice related to balloons. So, evidently he has not made any specific inquiry. It looks like that, but I am not sure. (*Interruptions*).

SHRI KANWAR LAL GUPTA: Let him say, he is not sure. (*Interruptions*).

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please hear me. It looks as if there has been no specific inquiry regarding the helicopter. So he has no notice about it. Evidently, he has not made any inquiry. That is the question. I think

[Mr. Deputy-Speaker]

Maybe because the Members are exercised, you please make an inquiry about the helicoper and give information to the Members after a few days.

14.25 hrs.

COMMITTEE ON SUBORDINATE LEGISLATION

TENTH REPORT

कुमारी मणिबेन पटेल वल्लभभाई पटेल : (मेहसाना): मैं अधीनस्थ विधान सम्बन्धी समिति का दसवां प्रतिवेदन प्रस्तुत करती हूं।

COCONUT DEVELOPMENT BOARD BILL*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now the Minister, Mr. Barnala.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN (Cannanore): There is a point of order.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Ravi has given it earlier.

SHRI VAYALAR RAVI (Chirayinkil): I am raising an objection to it.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Wait; that will come later. Now Mr. Chandrappan.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: My point of order is under rule 67. It says:

> "When a Bill is pending before the House, notice of an identical Bill, whether received before or after the introduction of the pending Bill, shall be removed from or not entered in, the list of pending notices, as the case may be, unless the Speaker otherwise directs."

Here, my point is that not only is there a non-official bill given by me, which is very comprehensive, dealing with the problems of the coconut plantations, and the economy of coconut in the coconut-growing States; there are also very practical suggestions made, as to how finances should be raised for the improvement and development of the coconut industry. But here, the Bill which the Minister is trying to introduce is written in such a fashion that the interests of the coconut-growing States are hardly taken into account. *(Interruptions)*. Mostly members of the bureaucracy will sit in the Board.

MR. DEPUTY-SPEAKER: What is your point of order?

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: My point of order is, therefore, that the Board which is visualized, does not take into account the interests of the coconut cultivators. There is hardly any representation for Kerala which produce 80 per cent *(Interruptions)* of coconut. 90 per cent of the milling copra is produced in Kerala. The Minister is introducing 2 Bills which hardly take into account the interests of Kerala, and the interests of the small cultivators. This Bill should not be allowed to be introduced in this House, when there is a comprehensive Bill from me.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have understood your point of order; but, unfortunately, in what you have said, you yourself have made it amply clear that the two bills are not identical; and, therefore, the point of order does not stand. Now, Mr. Barnala.

SHRI VAYALAR RAVI: My objection is this.

MR. DEPUTY-SPEAKER: It will come later.

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): I beg to move for leave to introduce a Bill to provide for the development under the control of the Union of the coconut industry and for matters connected therewith.

---

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, section 2, dated 25-7-78.